

НОВИ РУКОПИС PS. АТАНАСИЈЕВОГ ТРАКТАТА *De definitionibus*

И ЕУСЕБИЈЕВЕ СИНОПСЕ ЈЕВАНЂЕЉА

I

На крају рукописног кодекса познатог под именом „Никонов шестодневник“¹⁾, у манастиру Савини код Херцегновог, налазе се два грчка списка. Дужи од њих нема никаквог наслова, већ одмах почиње речима *Ὅροι διάφοροι* et c. Писан је лепом ситном млађом грчком минускулом XV века. Има масу суспензија, контракција и знакова за абривијације (в. факсимил). Читав трактат стао је на 7 фолија (кодекс није пагиниран), величине 22 × 13 см (лева маргина 2—3 см, десна 2, горња 2,5 и доња 4). Свака страна има тачно по 25 линеа. Ако је палеографска страна рукописа на висини, не може се исто рећи и за ортографију и брижљивост писара²⁾.

Ја нисам знао коме припада тај спис. Љубазношћу проф. Франца Делгера, минхенски доцент колега Д-р П. Јоану обавестио ме је да је то неаутентични трактат *De definitionibus*, приписиван знаменитом епископу александриском *Аџанасију* (295—373) — *Migne PG 28, 533—553*. Сада је мени још остало да наш рукопис сравним са Мињевим. Најважније *variae lectiones* в. ниже, а закључци који се из колације могу извести јесу следећи:

1) О чему в. Ђ. и Н. Рadoјићић, Извештај о раду на проучавању старих српских рукописних и штампаних књига, као и других старина. Ист. час. САН, II (1949—50) 382.

2) На страну грешке у ортографији као последица итацизма и сл., што је тако честа појава у ово доба (на пр. *ἐτοιμολογία* l. *ἐτομολογία* 533 B 1, 552 A 9; *δέ* l. *δε* 533 A 4; *συγκοπεῖ* l. *συγκοπή* 533 C 13; *γινώσκειν* l. *γινώσκη* 537 D 8 *itd.*): наш писар врло често испушта речи (в. *variae lect.*) и прави низ грешака, било да су оне језичке природе или резултат непажње (на пр. *ὅτι* l. *ὅτε* 533 A 13; *πελαζόμενον* l. *πλαζόμενον* B 6; *ὅστις* l. *ὅσπερ* 9; *λέγεται* l. *λέγεται* C 6; *τοῦ* l. *τοῦς* 536 A 15; *ψηλαφούμενον* l. *-φόμενον* B 5; *τοῦ* l. *τό* 13; *ἀτρέπτως* l. *ἀτρέπτους* 537 B 1; *Πήτρος* D 1; *μία* l. *μέγας* 540 A 10; *εἰπας* l. *εἰπας* 11; *ἐγράφησα* l. *ἐγράφησαν* C 7; *ἐν* 541 A 8; *ιδιώτῃται* l. *ιδιώτῃτες* B 2; *ὅψοι* l. *ἐψαι* 552 C 7; *αὐτόν* l. *αὐτά* 553 A 6; *φλέβας* l. *φλεβίν* B 9; *φύσειν* l. *φύειν* 537 A 7, 544 B 11; *θρεῖν τὴν ὥπαν* l. *ἀθρεῖν τὸν ὥπα* 533 C 15; *ὕπνεῖν* l. *ὕπνοῦν* 541 A 7, али *τηροῦν* l. *τηρεῖν* 552 B 1 уметак; и многе друге).

1. Опште узев, *S* (*Savinensis*) претставља *codex deterior*. Шта више, његов текст тако је непречишћен, да се може сматрати вулгатом. То је и природно кад је реч о једном рукопису из XV века.

Али *S* води порекло од неког старијег доброг рукописа, различитог од Мињеве верзије. У низу случајева он показује значајне и боље *lectiones* од Мињевих. Према томе, ново издање не може се дати без коришћења *S*.

2. У 548 В 9 и 552 В 1 (и 4) *S* има пасаже које нема Мињ. С друге стране, он нема три главе у 549 В 2 — 552 А 8 (IX. Διὰ τί λέγεται πρωτότοκος; X. Τί ἐστὶ λόγος, καὶ ὁσαχῶς ὁ λόγος; и XI. Τί ἐστὶ Χριστιανός).

Incrementa која показује *S* не чине ми се интерполацијом. Напротив, могуће је да су то ове три главе (нарочито оне о логосу и о хришћанину). Њихову садржину нашао је Мињ и посебно (*cod. Colbertinus* 4753).

3. Изгледа да се у текст нашег *S* увукла маса маргиналих схолија. Отсуство једног чврстог текста и маса ситних интерполација као да сведоче о томе да је овај спис био у средњем веку прилично популаран (јер је просечно образованом хришћанину нудио кратке и приступачне дефиниције о ономе што је њега интересовало, о θεός, φύσις, οὐσία, ὑπόστασις, ἰδιώμα, ἐνέργεια, ἔνωσις, ὁμοούσιος, νοῦς, σῶμα а нарочито ψυχή, зачињене, поврх свега, примитивном човеку толико милим паретимологијама). Наш учени Никон Јерусалимац нашао га је вероватно у Цариграду или Јерусалиму.

533 Α 2 τῆς καθολικῆς Ἐκκλησίας : τῆς ἁγίας καθολικῆς καὶ ἀποστολικῆς ἐκκλησίας | ἀπὸ τε : ἀπὸ τοῦ. 5 μετέιναι : ἐπιγινώσκειν | ἐνστήθιζειν : ἐκστήθιζειν. 6 τῆς ἀληθείας : τῆς εὐσεβείας. 7 ὀρθοδόξως : τὸν ὁ. 10 τρεῖς τὰς : τρ. τινάς. 11 τί ἐστὶ τότε πρᾶγμα : τί ἐστὶ θεός. 12 εἴρηται τότε : εἶρ. θεός. 13 νοεῖται τὸ ὄνομα τότε : ν. θεός | ἐρωτᾶμεν τί ἐστὶ τότε : ἐρ. λέγοντες τί ἐστὶ θεός. 15 ὅταν : ὅτε | λέγωμεν : λέγομεν cf. Β 2 | κατὰ τί εἴρηται τότε : κ. τ. θεός εἶρ.

Β 1 τοῦ ὀνόματος : αὐτοῦ τοῦ τοιοῦτου ὄν. 2 λέγομεν : πάλιν λ. ὅτι | τὸ ὄνομα τότε : ἡ θεός προσηγορία. 3 ὅτι πόσα ζητοῦμεν τὰ σημαίνόμενα τοῦ ὀνόματος : ὅτι κατὰ πόσους εἴρηται θεός εἰπεῖν ἡμῖν εἰς πραττόμενα *congr.* 6 εἰρητέον : ἀρκτέον | τῶν προειρημένων τρόπων : τῷ пр. τρόπῳ. 7 τὴν ἐξέτασιν : τὰς ἐξεστ. τῶν ὄρων. Τί ἐστὶ ὅρος καὶ κατὰ τί εἴρηται ὅρος καὶ ὁσαχῶς νοεῖται ὅρος. 10 ὁ θεός : θ. 11 τῆς φύσεως τοῦ ὑποκειμένου πράγματος : τῆς ὑποκειμένης οὐσίας τοῦ πράγματος. 12 ὡς ὁράσεις : ἐποράσεις.

С 3 συνισταμένη : om. 4 διὰ τοῦ ὅρου : διὰ τὸν ὁ. 5 ὁ ἀνθρωπος : ἄν. 6 καὶ πάλιν τὸ ἐντελές ὄνομα τοῦ ἀνθρώπου : δὲ πάλιν ὁ ἀνθρωπος, τὸ ἐντελές αὐτοῦ ὄνομα. 7 ἀνορθοπεριπατητικόν : -ός. 8 οἱ ὀνοματοῦνται : οἱ ποιηταί. 9 συντομολογίαν : σύν-



Cod. Savinensis fol. 3v

τομον ὁμολογίαν. 10 ἀνορθοπεριπατητικὸν δὲ λέγεται ὁ ἄνθρωπος : καὶ γὰρ διὰ τοῦτο λέγεται ὁ ἄ. ἀνορθοπεριπατικός (sic per haplologiam dictum habetur in S saepissime). 11 τὰ ἄλογα : τὰ μὲν ἄλ. 13 τὰ ἄνω : τὰ ἄνω. [Διὰ τοῦτο λέγεται ἀνορθοπεριπατικός]. 14 λέγεται : ἐρμηνεύεται. 15 ἄνω θεωρεῖν τῶν ὀφθαλμῶν ἡμῶν τὴν ἐνέργειαν : ἀναθεωρεῖν τὴν τῶν ὀφθαλμῶν ἐνέργειαν.

D 1 ὁ γὰρ ὀφθαλμός : τοῦ γὰρ ἀνθρώπου ὁ ὁ. 2 ἄνω : τὰ ἄ.

Καὶ τούτου χάριν εἴρηται ὅρος : ὅτι περιορίζει καὶ συγκόπτει τὴν πολυλεξίαν, καὶ ποιεῖ σύντομον τὴν μακρολογίαν.

Καὶ διότι θεωρεῖ τὰ ἄνω καὶ περιπατεῖ ὀρθῶς, λέγεται ἀνορθοπεριπατικός καὶ ἐν συγκοπῇ ἄνθρωπος. Καὶ τοῦτο ἐστὶ ὅρος, ὅτι περιορίζει καὶ συγκόπτει τὴν πολυλεξίαν καὶ ποιεῖ σύντομον τὴν ὁμολογίαν.

6 μὲν οὖν : μὲν.

536 A 5 ὅταν : ἐπεὶ | ἐρωτηθεῖς : ἐρωτηθῇ. 6 ὁσαυχῶς νοεῖται ὅρος : om. | ἀπορήσει ὁ ἐξ ἐναντίας πρὸς ταῦτα, καὶ καταισχύνεται λοιπὸν ὡς μηδὲν ἐπιστάμενος : ἀπορήσει εἰπεῖν τοὺς ὅρους ὁ διεναντίας καὶ ἐν τοῖς λοιποῖς λοιπὸν καταισχύνεται (1. καταισχυνεῖται) ὡς μηδὲν ἐπιστάμενος. 9 ἀνθρώποις : ἐν ἄν. 10 ἄγγελος : καὶ ἄ. | θεῶν : τῶν θ. | κατ' οὐσίαν γνωριζόμενα : γν. κ. οὐ. 12 ὀριστόν : ὅριον. 13 idem. 14 στάσις : τόπος. 15 ἐστὶ : δέ ἐ.

B 1 θεός : ὁ θ. | ἐστὶ : δέ ἐ. 2 οἶον ἄγγελος, ψυχὴ καὶ δαίμων : ἤτοι ὁ ἄγγ., ἡ ψυχὴ καὶ ὁ δ. | ἡ δυσόριστόν ἐστι... οἶον τὸ ἐύλον τῆς ζωῆς : om. 5 ἐστὶ : δέ ἐ. | ἄρτος : ὁ ἄ. 7 ἐστὶ : om. | εἴρηται : om. 8 θεός : καὶ θ. 9 καὶ πάσης : πάσης | αἰτία : αἰτιατικῆς | καὶ λέγεται : θεός λ. | ἀπὸ τοῦ θέειν... 13 διήκειν ἡ : om. 14 οὐδὲν γὰρ... δύναμιν : om.

C 2 παρὰ τῇ θείᾳ Γραφῇ : ἐν τῇ γραφῇ. 4 λέγονται θεοὶ καὶ οἱ δίκαιοι : λ. κ. οἱ δ. θ. 5 Ὑψίστου : ὑψίστου πάντες. Τί λέγεται πατήρ ; 6 τηρῶν ἡ : τ. ἡ τῶν πάντων πατήρ. 7 οἷα πατήρ : λέγεται πατήρ. Τί λέγεται υἱός ; 8 λέγεται : κυρίως εἴρηται. 10 θνητός : θν., εἴτε ἐκ βροτοῦ βροτός. Τί λέγεται πνεῦμα ; | πνεῦμα δέ : καὶ π. μὲν. 11 ὥσανει : ὥσάν εἰς | πάντη : παντός. 12 τῇ θείᾳ Γραφῇ : τῇ γρ. 14 ἄνεμος : ὁ ἄ.

D 2 ἀναρχον : καὶ ἄν. 5 αἱ ψυχαί : ἡ ψυχὴ. 6 λέγονται ἀναρχοί : λέγεται ἀναρχα. 7 λέγονται : λέγεται.

537 A 1 τὸ ἰδίως ὑπάρχον : κυρίως τὸ ὑπάρχειν. 2 ὑπάρχον : ὑπάρχειν. 5 φύσις : φ. δέ. 6 ὡς οὐσα : om. 7 πάλιν : οὖν π. | διὰ τοῦ φύειν καὶ : διὰ τὸ φ. ἤτοι. 9 δέ καὶ : δέ. 10 καὶ ἰδικὸν καὶ ἄτομον : κ. ἄ. κ. ι. | ὑπάρχει : ὑπάρχον. 12 ὁμολογεῖς : ὁμ. καὶ πιστεύεις. 13 σοί : σ. ὅτι.

B 2 τὴν θεότητα : τὴν τῆς θεότητος. 9 πατὴρ καὶ υἱὸς καὶ : π., υἱὸς τε καὶ. 10 μία οὐσία, καὶ μία ἐξουσία, καὶ βασιλεία : μ. β. κ. ἐξ. 11 δέ : om. 15 καθολικώτερον : καθολικωτέρως.

C 1 καὶ ἡ φύσις : om. 3 καὶ ἡ ὑπόστασις : om. 6 σῶματος : χόματος. 7 μιᾶς ἐσμεν : ἐ. μ. 8 πολλαί : πολλαί. 9 ἀπὸ τοῦ

στήκειν τῇ οὐσίᾳ· διὰ τὸ ὑποστήκειν ἐν τῇ οὐσίᾳ. 10 λέγεται καθολικῇ· λέγονται καθολικῶς. 11 μερικῇ· μερικῶς. 13 οὐσίας· τῆς οὐ. 14 γάρ· δέ.

D 2 ἢ ὁ Ἰωάννης· om. 4 κοινόν ἐστι ἐὰν εἴπῃς· κοινὸν ἐκάστου τὸ ὄνομα οὐχί, ἀλλ' ἐὰν εἴπῃς. 5 οἱ ἄνθρωποι ὀνομάζονται· ἅ. ὁ., τουτέστιν κοινόν. 7 ἀρμόζει καὶ τοῦτο· κ. τ. γὰρ ἀρ. 8 φύσιν· γινώσκιν ἀναθεωρεῖν. 12 μέλλουσιν ἐκζητεῖν· θέλουσιν ἀκριβῶς ἐκζ. cf. 540 C 11. 13 λέγομεν· λέγωμεν.

540 A 2 ὁ Γαβριήλ· ἢ ὁ Γ. ἢ ὁ Ῥαφαήλ | εἶπας· ἐκ πάντων εἴπ. 4 ἐστὶν ἐνός· ἐν | προσηγορία· πρ., ὥσπερ καὶ ἐπὶ τῶν ἀνθρώπων. 5 ὑποστάσεις· ὑπόστασις. 6 καὶ Θωμᾶς· om. 8 ὑποστάσεων· ὑπ. τῶν ἐν αὐτῇ. 12 καὶ· πάλιν. 14 ὁ ταῶς καὶ· om. | ταῦτα· αὐται. 15 τῶν νοερῶν καὶ· om.

B 1 ἀρμόζει ὁ αὐτὸς τῶν ὄρων κανὼν· ὁ αὐτὸς κανὼν τῶν ὄρων ἀρμ. 2 διὰ· ἐπὶ. 4 πᾶσαν· om. 6 γάρ· δέ. 7 εἰς σελήνην καὶ εἰς ἀστέρας· εἰς ἀστρά. 8 ἐπὶ· περὶ. 9 εἴπῃς· δέ εἴπ. | τὴν φύσιν τῶν ἀνέμων· τ. τ. ἅ. φ. 10 ἢ βορρᾶς· β. 12 ἐσθήμανας· ὠνόμασας. 13 ἡ καρύα· ἢ ἡ κ. | ἡ καστανία· om. | ἀμυγδαλῇ· ἀμυγδαλὶς. 14 μίαν ὑπόστασιν εἶπας· εἴπ. μ. ὅ. 15 τῶν ὕδατων εἶπας· εἴπ. τοῦ ὕδατος.

C 1 ἡ πηγὴ· om. | μίαν εἶπας· εἴπ. μ. 2 πάλιν... 5 ὑπόστασιν· om. 6 καὶ' ὃν τρόπον· καθάπερ τρόπον. 9 μὲν· om. 10 μέρος ἐστὶ τῆς φύσεως· om.

D 3 θελητικόν· θεληματικόν | θέλημα... λῆμμα· om. 5 ἢ ἄς· ἦτοι | τό· om. 6 ἀγγελικόν· καὶ ἅ. | ἐπειδὴ αὐται· ἐπειδὴ θέλημα λέγεται κατὰ τὸ θέειν μάλα, ἢ τοῦ θεοῦ τὸ θέλημα. Καὶ αὐται. 7 θελητικαί· θεληματικαί. 8 τὸ φυσικόν ἢ τό· καὶ φ. ἦτοι. 11 ἢ· ἐστὶ ἡ. 12 θεοῦ· θείου | παρακὴ· παρανομία.

541 A 1 οἱ· om. 2 secundum καὶ· om. 3 δέ· om. 4 μὲν· om. 5 ἰδιάζειν, ἄλλος· ἄλλος ἰδ. καὶ ἄλλος οἰκοδομεῖν | μὲν... δέ· om. 7 ὁμοίως· ὁμοιον. 8 οἱ ἄνθρωποι· om. 12 ἰδίωμα λέγεται· λ. ἰ.

B 1 αὐτῶν· ἐαυτῶν. 2 ἰδίωμα· καὶ τί ἐστὶν ἰδίωμα; Ἰδίωμα | τό· ὅπερ. 6 ἐστὶ· δέ ἐ. 7 τὸ ἀσίγητον· om. 8 κυρίως· κύριον. 9 ἐν ἄλλῃ... γνωριζόμενον· om. 10 καὶ ὑποτακτικά· δέ εἰσιν ὑποστατικά. 11 λευκότης, μελανία· ἀσπρότης, μελανότης | γλαυκότης, γοργότης· γορ., γλ. 13 εὐρίσκονται· ὁμοιον εὐρ. | οἱ· om. 15 καὶ· om. | τῷ εἶδει· τῷ γένει ὁμοιον.

C 1 πάντες γὰρ οἱ ἄνθρωποι· οἶον π. ἅ. | ὁμοίως· ὁμοιον | καὶ· om. 2 ὀρθοπεριπατητικοί· περιπατητικοί, γεωργοὶ τεχνῶν corrup. 3 λέγονται κυρίως· λέγεται κύριον. 8 περὶ ἐνεργείας· om. 9 ἐνέργεια ἐστὶ· συνεργία τοῖνυν ἐστί. 10 ἐκάστου· ἐκάστου (sic) οὐσίας.

D 2 οἶον· ἦτοι | τὰ αἰσθητικά· τὰ αἰσθητά. 3 κινητά· κινητικά. 4 τὰ ἐρπυστικά τὴν ἐρπυσίν, τὰ φωτιστικά τὴν ἑλλαμψίν· τὰ καυστικά τὴν καῦσιν, τὰ βευστά τὴν βεῦσιν. 7 ἀνααιρεῖται· συναναρεῖται | καὶ ἀπόλλυται καὶ ἡ αὐτοῦ φύσις· κ. ἡ φύσις. 10 ζῶον· τὸ ζ. 12 αὐτῆς· τῆς ψυχῆς. 13 στερούμεναι τῶν φυσικῶν ἐνεργ-

γειών αὐτῶν : ὑστερούμεναι πολλάκις τῶν ιδίων ἐνεργειῶν. 14 ὁ λίθος καιόμενις καί : ἡ λίθος καιομένη. 15 ψυχὴν : ψυχράν | καὶ γίνεται : γ. δέ.

544 A 1 ἐνέργειαν : σωμάτων ἐ. | καὶ ἡ κέδρος . . . 4 τὴν κεδρίαν : ἀναιρετικὴν ποιοῦσαν. Πάλιν ἡ κέδρος τῶν σκολήκων τὴν κεδραίαν, καὶ στερηθεῖσα τοῦ καρποῦ, τὴν ἐνέργειαν congr. 4 τοὺς ἐχέφρονας : τοῖς ἐχέφροσι. 6 δύναντο : δύνανται | πόσας πλείους ἀπάσης ὑπάρξεως προσηγορίας : πῶς αἱ πλείους πάσης ὑπ. προσηγορίαι. 9 καὶ ἔχουσαι : om. 13 θεωρεῖν τόν : ἀδρεῖν τὴν | κᾶν : καὶ ἐν. 14 παρθένος ; ἡ π. πυρθένος. 15 λέγεται ὅτι : λ. περὶ στερρᾶ διότι.

B 1 στερρῶς : στερρᾶ. 3 ποτέ : om. 4 ἡ ὥς : ἦτοι. 5 ἡ τηρουσα τὴν γονὴν, ἦτοι τὸ οἰκεῖον γένος : τηρηγῶν, διότι τηρεῖ τὸ οἰκεῖον γ. 6 διὰ . . . χειμῶνι : διότι αἰεὶ ἄδει. 7 ὕψη : τὰ ὕ. | τοῖς : om. 8 αἰτὸς αἰετός : αἰτός. 9 ἔτη : om. 12 διὰ : κατὰ. 13 θεωρεῖν ἡ ὥς βλέπειν : θέειν ἦτοι τρέχειν. 14 τῆς ψυχῆς : om. 15 γάρ : om.

C 1 τοῦτο ἐκ : om. | λέγεται : om. 2 τὸ σῶμα ζωοποιεῖν : τὸ ζ. τὸ σ. 3 ἃ παρίμεν : εὐρεῖν | λέγωμεν : λέγω. 6 ποσαχᾶς : ὁσαχᾶς. 7 ἔνωσις : καὶ ἔ. 8 ἐνώσαι : εἰς ἐν ἄσαι.

D 1 πενταχῶς : τετραχῶς (lapsu). 2 συγχυτικὴ, διαιρετικὴ, σχετικὴ, θετικὴ : σχ., θ., διαιρετὴ, συγχ. 4 ταῦτα : ταύτας πάσας. 5 διαιρετικὴ : διαιρετὴ. 6 ἀνθρώπου : ἡ ἀνθρώπου. 6—7 vacat versus ὥς τὰ ἔθνη ἐν τῇ πίστει, θετικὴ δέ. 8 ταῦτα : ταύτας πάσας. 12 ἀλλὰ σὰρξ ἄμα, καὶ θεὸς Λόγος ἄμα : ἀλλ' ἄμα σ., ἄμα θ. λ. | σὰρξ : ἄμα σὰρξ. 13 αὐτῷ : αὐτῷ γάρ. 14 ἐπὶ τῆς ἡμετέρας συλλήψεως : ἡ ἡμετέρα σύλληψις | αὐτοπαρκτος : αὐθυπάρκτως. 15 ἡ ψυχὴ συντρέχει τῷ σώματι : σ. ἡ ψ. καὶ τὸ σῶμα | οὔτε . . . συνίσταται : om.

545 A 1 ἡ : om. 2 Κυρίου : Χριστοῦ. 6 ἐστὶ : εἶ τι. 7 ὑπάρχον : ὑπάρχει. 8 γάρ : om. | τὴν οὐτὴν : ὁμοίαν. 11 ὄν : ἐν. 12 ἔχον : ἔχει | τινα διαφορὰν : δ. τ. 15 ἐβένου : ἐβέλινον (l. ἐβένινον) | ὁμοῖως : ὅμοιον.

B 1 λέγονται : εἰσὶ καὶ λ. 2 ἐστίν : εἰσὶν | ὥσπερ : ὥς καὶ | τῆς μίας : μίας cf. 5. 3 τό : τοῦ. 5 ταλαίπωρος : ἀδύνατος | ψυχῆς λέγω καὶ σώματος : ἐκ ψ. κ. σ. [Καὶ λέγονται ὁμοούσιοι πάντες οἱ ἄνθρωποι, ὥς ἐκ μίας καὶ ὁμοίας οὐσίας ὄντες, ψυχῆς λέγω καὶ σώματος]. 7 μηδὺλως τῷ ἐτέρῳ προσοῖκον : μηδ' ὅλως ὁμοιάζον. 9 ἐκείνου : τοῦ ἐτέρου. 11 ἀλλογενές : ἀλ. καὶ ἑτερογενές.

C 1 ὥσει : ἦτοι. 2 ἀλλὰ ἄλλη μὲν ἐκείνου, ἐτέρου δὲ ἄλλη : ἀλλ' ἄλλον μὲν ἐκείνου, ἑτερον δὲ τὸ ἄλλον ἐστίν. 5 ἡ ἀλογος : ἃ. | ἦτις : καί. 6 τό : om. | ἡ : om. | ἦτις : καί. 8 θεοῦ πρόσταξιν : π. θ. cf. D 1 | ἡ θεία λέγει : λέγει ἡ. 10 τῆς : om. 11 διὰ : καὶ δ. 12 καὶ πᾶσαν τὴν ὀρεξιν : κ. π. τ. ἀγάπην καὶ τὴν ὀρεξιν. 13 τὰ ἄνω : τ. ἃ., ὥσπερ ὁ ἄνθρωπος.

D 3 ψυχὴ κτηνώδης τῷ ζῳῷ : ψυχὴν τὴν διωτῶν ζῶων congr. 4 τοῦ : om. | τὸ αἷμα πετηγός : παγιδέντος τοῦ αἵματος. 7 τὰ ἄνω : τ. ἃ., ὥσπερ ἄνθρωπος. Ἐπειδὴ ἔχουσι τὴν ψυχὴν ἐκ

τῆς γῆς. 8 ἔσχηκε : ἔχων. 10 νοεῖ : φρονεῖ. 12 ἐκεῖνο ἐγένετο : ἔγ. ἐκ. 13 ἀλλὰ . . . ἐδημιούργησεν : om.

548 A 1 ψυχὴ : ἐγένετο ψ. | ἐκ τῆς οὐσίας τοῦ θεοῦ ἡ ψυχὴ : ἡ ψ. ἐκ τ. οὐ. τ. θ. 2 εἰάν : καὶ ε. 3 διὰ τί : διότι 4 ἄτρεπτος : om. 5 ὅτι : Ἴδετε ὅτι. 6 μωρὰ : μωρός. 8 καὶ ἄλλοτε ἀπιστος : ἄλ. δὲ απ. 9 ποτὲ μὲν ἀγνοοῦσα, ποτὲ δὲ γινώσκουσα : ποῦ μὲν ἀγνοεῖ, ποῦ δὲ γινώσκει. 10 ταῦτα : τ. οὖν. 11 πῶς δύναται λέγεσθαι : τίς δ. λέγειν ὅτι. 12 οὐκ : ἀλλ' οὐκ | τοῦτο : ταῦτα. 14 διὰ τοῦτο καὶ ἡ ψυχὴ : κ. ἡ. ψ. δ. τ. | φαντάζεται : φοιτάζεται. 15 καὶ ὁρέγεται καὶ ποδεῖ : om.

B 2 ἀλλ' ἐπίγειος : ἀλλὰ γήινος | τὰ : καὶ τὰ | ζητεῖ : ζ. καὶ ποδεῖ. 3 τῷ σώματι : μετὰ τοῦ σ. | τοῦ δὲ ἀνθρώπου ἡ ψυχὴ . . . μέρη : ἡ δὲ ἀνθρώπου ψυχὴ τρία μέρη ἔχει. 8 ἀνδριζομένη κατ' αὐτῶν : om. 9 post ἀγαθὰ habet S:

Καὶ ταῦτα μὲν ἐν τῇ ψυχῇ τοῦ ἀνθρώπου, λογικῇ οὐσῇ (in MS οὔσα) καὶ νοερά. Ἡ δὲ τῶν κτηνῶν ψυχὴ οὗτοι αὐτῇ ἄλογος οὔσα καὶ ἐκ γῆς τὴν οὐσίαν ἔχουσα, εἰκότως γηρατὶς (MS γερατὶς) ἔστι ἡ ψυχὴ τῶν κτηνῶν. Πάλιν ἀναπέδησον καὶ εὐρήσεις ταῦτα ἀπὸ γῆς ἐδόθη σῶμα, ἀπὸ σώματος γέγονεν αἷμα, ἀπὸ [fol. 6r] αἱματός ἐστι ψυχὴ τοῖς κτήνεσι. Καὶ διὰ τοῦτο πάλιν ὅτε θνήσκουσι, συναπόλλυται αὐτῶν καὶ ἡ ψυχὴ, ὅτι τὸ (MS τῶν) αἷμα αὐτῶν μεταβάλλεται καὶ φθείρεται ἐν τῇ γῇ. Λέγονται δὲ αἰσθητικὰ τὰ ζῷα, ἀλλ' οὐκ εἰσὶ κυρίως. Μόνος γὰρ ὁ ἀνθρώπος ἐπιτέλειον ἐν αἰσθήσει ζῶον. Οὐδὲ πάλιν εἰσὶ τελείως ἀναίσθητα, ὥσπερ τὰ δένδρα, ἔχουσι δὲ μίαν αἰσθησίν, τὴν τοῦ θανάτου. Γνωρίζοντες γὰρ τὸν θάνατον καὶ αἰσθανόμενοι, φοβοῦνται. Καὶ τοῦτο μόνον ἔχουσιν αἰσθησίν τὰ ζῷα.

9 Ἐχει δὲ ὁ ἀνθρώπος : Ὁ δ. α. ε. 10 αἰσθήσεις πέντε : π. αἰσ. 11 αἰ : καὶ | εἰσιν : εἰσὶ ταῦτα cf. C 2 | ἀκοή, ὁσφρησίς : ὁ., α. 13 μέλαν : τὸ μ. | ἐν . . . βαρὺ : post πικρὸν (15). 14 εὐοσμον καὶ δυσώδες : εὐώδες καὶ τὸ δυσώδες. 15 πικρὸν : τὸ π.

C 1 τὸ σκληρόν . . . ψυχρόν : τὸ ψυχρόν καὶ τὸ θερμόν. 4 μιᾶς ἐκάστης αἰσθήσεως : τὸ ὅλον τοῦ σώματος | ἀπὸ τοῦ τηρεῖν . . . τὸ ζῶον : τὸ τὰς αἰσθήσεις τηρεῖν (MS τηροῦν). Αἰσθητικὸν δὲ πᾶν ζῶον, αἰσθησὶν φόβον καὶ θάνατον ἔχον, ὡς εἴρηται. 5 δεῖ δέ : δέον. 6 καί : ἐστὶ κ. 7 primum καὶ om. | καί : καὶ γάρ. 9 τό : om. 11 φθορά καὶ θάνατῳ : φθορά θανάτου. 13 τοῦ ἡλίου : ἐστὶ τ. ἡ. καί.

D 1 ἐξ : ἦτοι ἐξ | ἐκ . . . ἐκ : καὶ . . . καὶ | ἢ ὡς : ἦτοι. 2 γῆς, πυρός : καὶ γ., καὶ π. | τουτέστιν : τοῦ. 3 καὶ ψυχροῦ, καὶ ὑγροῦ : κ. ὑ., κ. ψ. 4 τὸ θερμόν καὶ ὑγρόν (sic!) : τὸ ψυχρόν. 6 συνέστηκεν : συνίσταται. 11 εἴρηται : νοεῖται.

549 A 2 καὶ ψυχικῶς : om. | ἀμαρτάνῃ : ἀμαρτάνων. 3 εἶναι : om. 7 μόνον τὴν ψυχὴν : τ. ψ. μ. 8 ὅταν : ὅτε | βρωθῇ : post σκωλήκων. 10 λέγεται : δὲ λ. | ὅταν : ὅτε. 11 μὴ ὄν : τὸ μὴ δέν | παντελῶς : παντόλως.

B 1 γενόμενος ἐκ τῶν νεκρῶν : τῶν ν. γ. 2—552 A 8 vacant.

552 A 9 : S habet inscr. Περί ἐτυμολογίας. 10 νοός : ὀνόματος, 11 ὥσπερ : ὡσαύτως. 12 καί : om. 13 ἢ ἀπὸ τοῦ : κατὰ τό. 14 ἀπὸ τοῦ : διὰ | πορνεία : π. εἴρηται πυρωνία.

B 1 τὴν νεότητα, ἢ διὰ τὸ πηροῦν, ἢ ὡς ἐκτυφλοῦν τὸν νοῦν, ἢ διὰ τὸ πόρρωθεν νεύειν. Καὶ ἐν τοῖς λοιποῖς ὁμοίως : τὸν νοῦν ἦτοι ἐκτυφλοῦν, ἢ πάλιν διὰ τὸ πόρρωθε νεύειν.

Ἀνάστασις· ἄνω στάσιν ἦτοι ἔγερσιν. Φθορά : ἐκ τοῦ φθεῖρεσθαι ῥαον ἦτοι σήπεσθαι εὐχερῶς (φθίσις γὰρ ἡ σήψις ἐστὶ). Σωρός· ἐν ᾧ τὸ σῶμα βεῖ ἦτοι καταρρεῖ. Σῶμα· σῶον· αἷμα ἐν τῷ αἵματι. Μέλη· ὡς εἰ εἴπηγς μέρη, διὰ τὸ εἰς κοινὸν εἶναι τὰ μέρη. Σταυρός· στάσιν εὐρους [MS εὐρου] ἦτοι μήκους καὶ πλάτους (εὖρος γὰρ τὸ πλάτος ἐστὶ). Θυσίασθήριον· τὸ τὴν θυσίαν τηρεῖν (MS τηροῦν). Κρανίον· ἐν ᾧ κρέμαται (MS κρέμμεται) ὁ νοῦς. Εἴρηται καὶ ἐν τοῖς λοιποῖς ὁμοιον. Inscr. Περί σώματος καὶ ψυχῆς.

B 4 ἔχον : τὸ ἔ. 5 primum καὶ om. 7 συνεσθηκὸτα στοιχείων : στοιχείων συνιστάμενα. 8 πυρός : ἡλίου |

Καὶ αὐτὰ τὰ ἐκ τούτων συνεσθηκὸτα αἰεὶ γίνονται καὶ αἰεὶ φθείρονται, τῆς τῶν στοιχείων διαλυομένης συνθέσεως, καὶ ἐκάστου πρὸς τὸν ἴδιον ἀναλύοντος τόπον. Αὐτὰ δὲ τὰ στοιχεῖα, ἀλλὰ τυγχάνοντα καὶ ἀσύνδετα, τὸ μόνιμον ἔχει, καὶ μέχρι τῆς συντελείας ἀδιάλυτον.

Καὶ αὐτὰ οὐκ ἄκρατα οὐδὲ ἄφθαρτα οὐδὲ ἀμάραντα μένει, ἀλλὰ θνήσκει καθὰ καὶ τὰ σώματα, ποιηθέντων πάντων σωμάτων ἐκ γῆς. Τὰ δὲ ἀπλὰ καὶ ἀσύνδετα τῶν πραγμάτων εὐδαίμονα καὶ ἕως τῆς συντελείας ἀκατάλυτα μένει· οἷον ὁ ἥλιος, ψυχὴ ἀνθρώπου, φῶς, φωστήρια, ἀήρ, ὕδατα, πῦρ, πνεῦμα, καὶ πάντα τὰ ἀπλὰ καὶ ἐνίδια.

C 1 inscr. Περί ψυχῆς : om. 3 εἰσὶ δέ : καὶ εἰσὶ. 5 τούτων : ταῦτα. 7 ὡς : ὥσπερ | εἰς : εἰς τόν. 9 ἐν : om. | ψυχὴ γὰρ οὐ διὰ τὸ ψυχρὸν τὴν οὐσίαν εἶναι, καλεῖται, καθὼς : καὶ (MS καὶν) δὲ ψυχὴ [λέγεται] οὐ λέγεται διὰ τὸ οὕτως εἶναι ψυχρὰν τὴν οὐσίαν, ὡς. 11 ἐνόμισαν : διανοήθησαν. 12 ἐστὶ : om. 13 ἐνεργείας : συνεργίας. 14 θερμὸς γὰρ ὦν καὶ πυρώδης : ὦν γ. πυρὸς καὶ θερμώδης.

D 1 ἀνιμάται; Migne : edit. comm. ἀνιλάται : ἀνεμεῖται. 2 παράδου : πείδου. 4 ψυχρὰ καὶ κρυσταλλώδη εὐρίσκονται : εὖρ. κρυστ. 5 πάγου χειμερινοῦ : πάγους. 6 θάλλει τὸ σῶμα : τὸ σ. θ. 7 σιτίων, αὐτὸ τὸ σῶμα : τινῶν αὐτῶν τῷ σώματι. 9 θερμότητα : σφοδρότητα cf. 11. 10 ἐπὶ : [λέβης] ἐπὶ. 11 δύναται lapsu : οὐ δύναται | φέρειν ἄνευ ὕδατος : ἄ. ὕ. φ. 12 ἐκφύγεται : ἐκφύεται. 13 ὁ λέβης τοῦ σώματος, μὴ ἔχων : τὸ σῶμα, μὴ ἔχον.

553 A 1 ἐκπυρούμενος : ἀπολυκρούμενον (sic; fortasse cf. λυκράμενον). 3 εἰ ποτε δέ σοι περὶ τῆς ψυχῆς τις ἀμφισβητοῖη : εἰ θέλ(εις) οὖν δοκιμάσθαι [μαθεῖν] παρὰ τινος, πῶς διάκειται ἡ ψυχὴ ἐν τῷ σώματι. 4 κεῖται : κατοικεῖ cf. B 10. 5 εἰ μὲν : ἕαν. 7 τὴν χεῖρα . . . ἢ τὸν πόδα : τὸν π. . . ἢ καὶ τὴν χ. 8 sec. καὶ

om. 9 ἐν : ὅτι ἐν. 10 κείται : κατὰκειται | εἰπέ : εἰπὲ αὐτῷ | μέρη τοῦ ἀνθρώπου : μέλη | καὶ πῶς . . . 13 ψυχῆς : om.

B 2 τόποις : τ. ἀναγκαίους. 5 καί : οὕτως καὶ | μέρεσι : τόποις | ἐνιδρυμένη : κατοικοῦσα cf. B 14. 6 τὸν οἶκον ὅλον ζωογονεῖ : φωτίζει τ. οἶκ. ὅλ. 9 οὖν : om. 10 ἦν ἄν : οἶαν. 11 ἐκ τῆς βασιλικῆς φλεβός : βασιλικῇ φλέβα. 12 αἶμα ρεύση : ἐκρεύση αἷμα | καὶ τμηθῇ ὑπὸ ξίφους : ὑ. ξ. κ. τ. 13 τοῦ : ἐκ τοῦ. 15 τούτοις : om. | μέρεσι, ὅλα τῷ σώματι μεταδίδωσι τῆς οἰκείας ζωτικῆς δυνάμεως : (σώ)ματος, δίδωσιν ὅλα τῷ σώματι τῆς οἰκείας φωτιστικῆς δυνάμεως.

II

Други спис претставља рукопис „Јеванђелских канона“ Еусебија, епископа цезарејског (265—340). Он је писан другом руком, красним калиграфским писмом XV века, мастилом кестењасте и наранџасте боје (иницијали и цифре; и писар MS *De definitionibus* хтео је да почетна слова сваке нове алинеје накнадно испише црвеним словима, али то није учинио: зато свако почетно слово става недостаје).

Колациониран са 10 издањем NT *Eb. Nestle*-a (Stuttgart 1916)¹⁾, наш *Savinensis* показује следеће *variae lectiones*:

Sine inscr. — p. XVII 1 κυρίῳ : Χριστῷ. 4 εἰσαγοχῶς : εἰσαγοχῶς. 5 τῷ : τό. 6 ἐξ ἀνάγκης : ἐξανάγκης. 8 ὕφει : ὕψει | δέ : om. 9 ἔχοις : ἔχεις. 10 εὐαγγελιστοῦ : εὐαγγελίου. 13 διεχάραξά σοι : ἐχάραξά σοι. 21 Λουκᾶς Μάρκος : Μάρκος Λουκᾶς (hoc ordine etiam in canone VIII). 22 ϕ̄ : οἷς | περὶ τινων : om. 23 ἀνέγραψεν : ἀνέγραψαν. 24 ἦδε : ἦδως. 25 εὐαγγελίων : εὐγγελιστῶν. 26 τοῦ : om. | καθεξῆς : καθ' ἐξῆς. 27 δι' ὅλου : om. 28 πρόκειται διὰ κινναβάρεως : διὰ κινναβάρεως ἔγκειται. p. XVIII 30 ἐν τῷ δευτέρῳ : ὡς ἐν τ. δ. 31 οὕτως : οὕτω | τι : om. 32 ἐπιστήσῃ τινι : ἐπιστῆναι τινι. 33 ϕ̄ : ὁ. 35 τῶν : τὸν | ἐπέχεις : ἐπέσχες | περικοπῆς : περικοπήν. 36 ἐνδον : om. 37 τοῦ : τῆς | ὑποβέβληκεν : υποβάλλει. 39 ὁπόσοι : πόσοι. 40 εὐαγγελίων : εὐαγγελιστῶν. 41 ϕ̄ : οὐ | ἀριθμῷ : ἀριθμοῦ. | παρακειμένους : παρακείμενος. 42 εὐαγγελίου : εὐαγγελιστοῦ | τά : om. 43 + ἔρρωσο ἐν Χριστῷ.

Према томе, S је пун грешака и у свему *codex deterior*.

Судећи по лекцијама у 22 (fin.), 28, 32 и 43, S припада класи E (в. *Nestle*-ов *app. crit.*) или јој је најближи.

21 S даје *lectio melior*. Што се тиче лекција у 10 и 42, изгледа ми да у оба случаја треба да је иста реч (било да је то εὐαγγελίου или εὐαγγελιστοῦ).

Београд.

М. Марковић.

¹⁾ *Nestle* се критиком текста Еусебијеве синопсе јеванђеља посебно бавио (*Neue kirchliche Zeitschrift* 19, 1908, 40—51 93—114 219—232). Осталу литературу в. код *O. Bardenhewer*, *Gesch. d. altkirchlichen Literatur*², III 258 (Freiburg im Breisgau 1923) и *A. Puech*, *Hist. de la litt. grecque chrétienne*, III 175 (Paris 1930).

SUMMARIUM

M. Markovič: DE DUOBUS CODICIBUS NOVIS

Athanasii Alexandrini libri spurii qui inscribitur *De definitionibus* (ed. Migne PG 28, 533—553) codex S (Savinensis) saec. XV, in monasterio s. Sabbae (Savina) prope Hercegnovi repertus, quamquam minus accurate scriptus vulgataeque simillimus, a codice quodam vetustiore bonae fidei originem ducit atque a genere quo Migne usus est abhorret. In 548 B 9 et 552 B 1 incrementa habet (quae mihi interpolata non videntur), sed in 549 B 2—552 A 8 tria capita omisit. Varias lectiones v. supra.

Eusebii Caesariensis *Canonum* cod. Savinensis eiusdem aetatis certe deterior est atque ab E (v. NT editionem Nestlianam 10.) fluxisse videtur (cf. II. 22, 28, 32, 43). Var. lect. v. supra.

Lat. *mustēla*

Kvantiteta vokala *-u-* ni ugotovljena. Walde—Hofmann jo sicer označuje z dolžino, toda v oklepaju dodaja *-u-* s kračino in vprašajem. V besedi splošno vidijo *mūs* „miš“, ker so Grki in Rimljani imeli podlasico namesto mačke, da jim je lovila miši. Toda kaj je *-tēla*? Da tu ne more biti skrit koren **(s)ta(i)-* „krasti“, prim. slov. *tat*, je jasno: niti vokalizem niti pomen te zveze ne dovoljuje. Tako velja beseda za nepojasnjeno. Izhodišče za novo razlago je dejstvo, da ima tudi podlasica — kakor mačka — brke, ki jih rabi, kadar stika v temi za mišmi. Brki so tipalke, ki mačko in podlasico varujejo, da se ne zadene ob kakšen predmet in si ne poškoduje oči. Meyers *Konversationslex.*⁶ 20, 618 s. v. *Wiesel* zato pravi: „Vör und über den Augen stehen lange Schnurren“. Nem. *Schnurrbart*, „muštače“ se pa grško imenuje *μύσταξ*, in sicer v dorskem narečju (gl. LSJ). Iz dorskega narečja v Južni Italiji je beseda mogla postati znana tudi Rimljanom, čeprav je lat. *mustacia* izpričana šele z glosami iz 7/8. stol., tako da mislijo, da je gr. *μύσταξ* prešel neposredno v ital. *mostaccio* in odtod v franc. *moustache* (gl. Bloch—Wartburg s. v.). Tu predložena razlaga lat. *mustēla* bi kazala na to, da beseda ni bila Rimljanom neznana.

V *μύσταξ* je *-αξ* sufiks. Na *μυστ-* = lat. *must-* (prim. *Πύρρος* = *Burrus*, *πορφύρα* = *purpura*) je pristopil sufiks *-ēla*, prim. *ci-cindēla* „kresnica“, ki spada h *candēla* „sveča“. Podlasica bi bila potemtakem imela v latinščini ime „brkač“.

Ljubljana.

M. Grošelj.

RÉSUMÉ

M. Grošelj: Lat. *mustēla*

Mustēla doit son nom au fait que la belette, qui, chez les Grecs et les Romains, tenait lieu du chat, a des moustaches tout comme le chat. Dor. *μύσταξ* „moustache“ devait être un mot connu aux Romains voisins de Magna Graecia. En latin, le mot devait avoir la forme **must-ax* (lat. *mustacia* n'est connu qu'à partir des 7/8^{ème} siècles). Le suffixe *-ēla* est le même qu'en *cicindēla*.